Chapter 1

bihar board class 9 geography notes – स्थिति एवं विस्तार

स्थिति एवं विस्तार

महत्त्वपूर्ण तथ्य-

हमारा देश भारत विश्व की प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। सिंधु घाटी की प्राचीन सभ्यता भारत में ही विकसित हुई। विश्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जिसके नाम पर एक महासागर (हिन्द महासागर) का नाम है। भारत का मुख्य भू-भाग 8°4′ उत्तर से 37°6′ उत्तर अक्षांश तथा 68°7′ पूर्व से 97°25′ पर्व देशांतर तक फैला हुआ है। द्वीप समूहों को सम्मिलित करने पर दक्षिण में इसका विस्तार. 6°45′

उत्तर अक्षांश से शुरू होता है। भारत को 23°30′ उत्तरी अक्षांश (कर्क रेखा) बीचो-बीच से गुजरती हुई दो भागों में बाँटती है। भारत की स्थल सीमा-रेखा की कुल लंबाई 15,200 कि० मी० है। द्वीप समूहों को सम्मिलित करने पर यह 7516.6 कि. मी. है। यह मुख्यतः त्रिभुजाकार है।

इसका क्षेत्रफल 32.8 लाख वर्ग कि. मी. है जो विश्व के भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4% है। इसका अक्षांशीय एवं देशांतरीय विस्तार लगभग समान (30°) भारत की स्थल सीमा सात देशों को छूती है-पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश तथा म्यांमार । दक्षिण एशिया में भारत का एक महत्त्वपूर्ण स्थान है तथा भारत सार्क (SAARC-साउथ एसोसियेशन फॉर रीजनल

को-ऑपरेशन) का सदस्य है। श्रीलंका एवं मालदीव हिंद महासागर में द्वीपीय पड़ोसी देश हैं। श्रीलंका भारत से मन्नार की खाड़ी तथा पाक जलसंधि द्वारा अलग होते हैं। भारत की मुख्य भूमि पर स्थित धनुषकोटि से श्रीलंका का तट मात्र 24 कि. मी. की दूरी पर है। इस रेखीय द्वीपों की

श्रृंखला को एडमस ब्रिज के नाम से जाना जाता है। उत्तर एवं उत्तर-पूर्व में स्थल भाग में भारत की सीमा-रेखा पर्वत श्रृंखला द्वारा निर्धारित होती है। जम्मू कश्मीर में एक ऐसा क्षेत्र है जहाँ भारत, अफगानिस्तान और चीन की सीमाएँ मिलती हैं। इस क्षेत्र से कुछ ही दूरी पर पाकिस्तान, तजाकिस्तान की सीमाएँ मिलती हैं। इस तरह इतने निकटस्थ पाँच देशों के होने से यह क्षेत्र सामरिक दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है। जम्मू-कश्मीर के उत्तर-पूर्व में तिब्बत का पठार है, जो अब चीन के अन्तर्गत है। यहाँ कैलाश-पर्वत और मानसरोवर झील स्थित हैं। इसके बाद उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ने पर नेपाल देश हिमालय की गोद

में बसा हुआ है। नेपाल में हिमालय से निकलने वाली नदियाँ बिहार के मैदानी क्षेत्र से होकर गुजरती हैं। कोसी नदी जिसे 'बिहार का शोक' कहा जाता है, का उद्गम स्थान नेपाल में ही है। हाल ही में दोनों देशों में कोसी नदी पर एक संयुक्त परियोजना विकसित हुई है जिसके कारण पारस्परिक सहयोग की भावना को बल मिलता है। कोसी नदी के तटबंध के टूट जाने से 18 अगस्त, 2008 को उत्तरी बिहार में भयंकर बाढ़ आई थी जिसकी वजह से भारत के लिए नेपाल का राजनैतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बहुत महत्त्वपूर्ण है। नेपाल के पूरब में भूटान स्थित है जो भारत के साथ एक विशेष समझौते से जुड़ा है जिसके अन्तर्गत भूटान की सुरक्षा एवं विकास की जिम्मेदारी भारत की है। भूटान के पूरब में भारत एवं चीन की सीमा-रेखा हिमालय की श्रेणियों से होकर गुजरती है जिसे मैकमोहन की पहाड़ियाँ कहते हैं। अरुणाचल प्रदेश के उत्तर-पूरब में भारत, चीन तथा म्यांमार तीनों देशों की सीमाएँ एक बिंदु पर आकर मिलती हैं। इसके बाद पूर्वांचल की पहाड़ियाँ हैं जो म्यांमार को भारत से अलग करती हैं तथा दक्षिण में म्यांमार के आराकानयोमा पर्वत में मिल जाती हैं। आगे चलकर ये बंगाल की खाड़ी में डूब जाती हैं तथा पुनः अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के रूप में प्रकट हो जाती हैं। इन पर्वतमालाओं के अत्यंत ही जटिल एवं उबड़-खाबड़ होने की वजह से आवागमन अत्यंत दुर्गम एवं जटिल है।अब यातायात साधनों के विकास होने की वजह से इस क्षेत्र में इण्डो-तिब्बत महामार्ग विकसित हुआ है। यह सड़क शिपकी दर से होकर गुजरती है। दूसरा पर्वतीय मार्ग कश्मीर-लेह मार्ग है जो उच्च पर्वत श्रेणियों से होकर गुजरता है। तीसरा प्रमुख मार्ग सिक्किम के एक

https://www.evidyarthi.in/

दर्रे से
होकर गुजरता है। पश्चिम बंगाल के पूरब में हमारा एक अन्य पड़ोसी देश है-बंगलादेश। इस तरह पश्चिम में हमारा पड़ोसी देश पाकिस्तान स्थित है। भारत और पाकिस्तान के बीच स्थित सीमा-रेखा को रेड क्लिफ लाइन कहते हैं। अपनी प्रायद्वीपीय आकृति के कारण हिंद महासागर के शीर्ष पर स्थित है। पश्चिम तट से यूरोपीय देश दक्षिण-पश्चिम एशिया एवं अफ्रीका तथा पूर्वी तट से एशियाई देशों के साथ संपर्क स्थापित करने में भारत को सुविधा स्थापित होती है। अपनी भौगोलिक स्थिति की वजह से भारत विश्व में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/